(b) how does it compare with the opening of branches in Punjab and Gujarat ; and

(c) in view of the industrial backwardness of Assam, whether Government propose to open more branches in semi urban areas in the coming year ?

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI YESHWANT RAO CHAVAN) : (a) Between 19th July, 1969 and 31st March 1971, 41 new offices have been opened in Assam (including Meghalaya) by the 14 nationalised banks.

(b) The number of new offices opened by the 14 banks in Gujarat and Punjab during the same period was 250 and 73 respectively.

(c) Under the programme drawn up so far about 40 more new offices are expected to be opened by commercial banks in Assam during the current year. In order to provide a basis for planning the expansion of branches, Reserve Bank has impressed upon the banks designated as Lead banks for different districts to pay more attention to the relatively backward districts. Further programme of branch expansion in Assam would be drawn up as soon as surveys of all the districts are completed

दरभंगा जिले में नावरा हवाई अड्डे से मधुबनी तक की दूरी तय करने में कठिनाइयां

1394. **श्री जगन्नाथ मिश्र** : क्या पर्यटन और नागर विमानन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या बिहार राज्य के दरभंगा जिले में मधुबनी शहर को जाने वाली बड़ी सड़क तक की तीन मील की दूरी तय करने में यात्रियों को बेहद कठिनाइयों का सामना करना पड़ता है और वर्षा ऋतु में उधर आना जाना बिल्कुल असम्भव होता है ; और

(ख) यदि हां, तो इन कठिनाइयों को दूर करने के लिये सरकार का क्या कार्यवाही करने का विचार है ?

पर्यटन और नागर विमानन मंत्री (डा० कर्ण सिंह) (क) और (ख). मधुबनी के निकट का अवतरण स्थल बिहार सरकार का है न कि नागर विमानन विभाग का। अतः अवतरण स्थल एवं वहां जाने वाली सड़क का सुधारण इस विभाग के अधीन नहीं है।

देहातों में बैंक सम्बन्धी सुविधाओं की व्यवस्था करना

1395. **श्री जगन्नाथ मिश्र** : क्या वित्त मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि

(क) क्या सरकार ने देहातों में बैंक सम्बन्धी सुविधाओं की व्यवस्था करने के विचार से देश के प्रत्येक प्रभागीय (डिवीजनल) मुख्यालय में किसी राष्ट्रीयकृत बैंक की एक शाखा खोलने की योजना बनाई है, और

(ख) यदि हां, तो उपर्युक्त योजना को कब तक क्रियान्वित करने का सरकार का विचार है ?

वित्त मंत्री (श्री यशवन्तराव चह्वाण) : (क) और (ख). इस समय चार को छोड़ कर सभी प्रभागीय मुख्यालयों और सभी जिला मुख्यालयों में वाणिज्यिक बैंक कार्य कर रहे हैं। इन चारों के सम्बन्ध में भी स्टेट बैंक या राष्ट्रीयकृत बैंकों को कार्यालय खोलने के लिए लाइसेंस जारी किये जा चुके हैं।

---

12 00 hrs.

CALLING ATTENTION TO MATTER OF URGENT PUBLIC IMPORTANCE

REPORTED SPREADING OF POLIO IN DELHI

श्री शशि भूषण (दक्षिण दिल्ली) : अध्यक्ष महोदय, मैं अविलंबनीय लोकमहत्व के निम्नलिखित विषय की ओर स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मन्त्री का ध्यान दिलाना चाहता हूं

और प्रार्थना करता हू कि वे इस बारे मे एक वक्तव्य दे

"दिल्ली मे पोलियो फैलने के समाचार और इस रोग की रोकथाम के लिए अपनाये गये उपाय।"

निर्माण और आवास तथा स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मन्त्री (श्री उमा शकर दीक्षित) सामान्यतया जुलाई स अक्टूबर के बीच शुरू बरसात मे या इसके बाद पोलियो या पोलिया जैसी बीमारियो का प्रकोप कुछ बढ जाता है। यह बहुत दुर्भाग्य की बात है कि इस वर्ष दिल्ली मे उक्त समय मे पहले ही इस बीमारी के प्रकोप मे बढोतरी हुई है।

पोलिया अवश्य सूचनीय बीमारी नही है और, इसलिये सभी रोगियो के बारे मे विश्वसनीय आकडे उपलब्ध नही है। जिन अस्पतालो मे पोलियो के रागियो को भर्ती किया गया है उनसे मिली सूचना से पता चलता है कि मार्च से मई के बीच कलावती सरन शिशु अस्पताल मे 454 रोगी, इर्विन अस्पताल मे 35 रोगी, सफदरजग अस्पताल मे 69 रोगी और विलिग्डन अस्पताल मे 14 रोगी थे।

इस बीमारी के प्रकोप के बढने की सूचना पाते ही सरकार ने मई के तीसरे सप्ताह मे चिकित्सको और स्वास्थ्य अधिकारियो की एक बैठक बुलाई और उन्हे नीचे लिखे उपाय अपनाने की हिदायत दी

(क) 6 सप्ताह से 5 साल तक के बच्चो को टीका देकर इस रोग से बचाना।

(ख) पानी को उबाल कर पीना, कूडा-कर्कट उठाना और आमतौर पर सफाई रखना आदि जैसे रोकथाम के उपाय अपनाना।

जिन अस्पतालो और केन्द्रो के इस बीमारी से बचने के वैक्सीन उपलब्ध होगे उनके बारे मे भी प्रचार किया जा रहा है। यानी कहा कहा हो रहा है, इसकी सूचना पत्रो मे दी जा रही है।

यह विदित हुआ है कि पोलियो की बीमारी मुख्यत स्थानीय रूप मे शुरू हुई है और जिन बच्चो को यह बीमारी हुई है वे गन्दे स्थानो मे रहने वाले निम्न सामाजिक—आर्थिक वर्ग के है। अस्पतालो मे भरती किये गये अधिकाश रोगी एक साल से कम उम्र के थे।

सरकार लगभग दो दिन पहले रोकथाम वैक्सीन की 50,000 मात्राए निगम और अस्पतालो मे बाट चुकी है। इस वैक्सीन की 4 से 6 सप्ताह के अन्तर से तीन मात्राए देनी होती है।

भारतीय चिकित्सा अनुसधान परिषद् से एक दल शीघ्र ही आने वाला है बम्बई से जो इस रोग के विषाणु का पता लगाने के लिये इस हल्की महामारी पैरा एपिडेमिक की जाच करेगा।

श्री शशि भूषण . अध्यक्ष महोदय दिल्ली मे पोलियो वैक्सीन की लगभग 10 लाख डोजेज की आवश्यकता है जबकि सरकार मुश्किल से 50 हजार डोजेज ही इकट्ठा कर सकी है। यह आम तौर से ब्लैक मे मिलती है। लोग विदेशो से शायद पायरट्स के जरिए से मगाने की कोशिश करते है लेकिन फिर भी नही मिलती है। तो मैं आपके द्वारा जानना चाहता हू कि इसका पहले से इन्तजाम क्यो नही किया गया ?

दूसरी विडम्बना यह है कि दिल्ली मे जो सफाई का इन्तजाम कराया जा रहा है जिसके लिए करोडो रुपया दिया जाता है वह रुपया फव्वारो और मर्चट खानो पर खर्च किया जा रहा है और गन्दी बस्तिया जहा से कि यह रोग शुरू होता है उनका कोई सुधार नही

होता है । दो ढाई करोड़ रुपया मर्घट खानों पर और 10 करोड रुपया फव्वारो पर लगा दिया गया और इस रोग की जो जड है, जो लोग कार्पोरेशन मे बैठे है वह गन्दी बस्तियो मे रहने वालों के दुश्मन है, उनको अगर आप करोडो अरबो रुपया भी दें तो भी वे उसपर खर्च नही करते है। यहा पर जवाब आप देते है कि उपाय हो रहा है लेकिन वहा पर कुछ होता नही है तो इसके लिए आप क्या उपाय करने जा रहे है कि जो पैसा दिया जाये उसका सही सही खर्चा हो ? क्या आप इसके लिए एक कमीशन बनायेंगे ताकि उन लोगो को सजा दी जा सके जोकि सचमुच मे इसके लिए जिम्मेदार है, जोकि इस बीमारी को फैला रहे है और करोड़ों रुपया जो आप देते हैं उसका वे दुरुपयोग करते हैं । ..(**व्यवधान**) ..

श्री अटल बिहारी बाजपेयी (ग्वालियर) . यह पोलियो पर चर्चा हो रही है या दिल्ली एडमिनिस्ट्रेशन के खिलाफ प्रचार किया जा जा रहा है ?

श्री शशि भूषण . मैं नही जानता आपको राजनीतिक पोलियो क्यो हो जाता है। ..(**व्यवधान**)

श्री अटल बिहारी बाजपेयी . वह तो दिल्ली कार्पोरेशन मे आपको हो गया है राजनीतिक पोलियो । दिल्ली की जनता ने फैसला दे दिया हैं कि सफाई हो रही है या नही हो रही है ।

श्री शशि भूषण : ** (**व्यवधान**) .

श्री अटल बिहारी बाजपेयी : अध्यक्ष महोदय, ये कह रहे हैं**क्या यह कहना ससदीय है** (**व्यवधान**)...

अध्यक्ष महोदय : आप इस कट्रोवर्सी में न जाइये और प्रश्न के तौर पर जो पूछना है वह पूछिए ।

श्री शशि भूषण :** (**व्यवधान**)...

MR. SPEAKER : This will be deleted.

श्री शशि भूषण : मैं यही जानना चाहता हू आज दिल्ली मे स्वास्थ्य के लिए और सुधार के लिए करोडो की तादाद मे जो पैसा दिया जाता है उसका दुरुपयोग किया जाता है मर्घट खाने बनाने मे और फव्वारे लगाने मे और स्वास्थ्य के ऊपर कुछ खर्चा होता नही है तो इसके लिए क्या आप एक जाच कमीशन बिठायेंगे जोकि इस बात की देखे कि जो पैसा आप देते है स्वास्थ्य के लिए और दिल्ली के विकास के लिए उसका सही उपयोग होता है या नही ? क्योकि तभी आपको यहा पर जवाब देने का अधिकार है । (**व्यवधान**)...जब मैं यहा पर प्रश्न करता हूं तो आप कहते हैं कि उपाय हो रहा है, फिर कहते हैं कि हम पैसा भी देते है लेकिन वहा पर सही रूप में खर्चा होना नही है । तो इसके लिए आप एक जांच कमीशन बिठायें ।

दूसरी बात यह हे कि जहा तक पोलियो वैक्सीन का सवाल है वह ब्लैक मे भी नहीं मिल रही है जिसकी यहा पर कम से कम दस लाख डोजेज की आवश्यकता है तो उसके लिए आप क्या प्रबध करने वाले है और किन देशो से उसको मागना चाहते हैं ?

श्री उमा शकर दीक्षित : जहा तक माननीय सदस्य ने यह कहा कि जितना रुपया दिया जाता है उसकी जाच करें तो यह आज का प्रश्न पोलियो के सम्बन्ध मे है, उसके सम्बन्ध में जब कोई बात उठेगी तो हम उस पर विचार करने के लिए और जाच करने के लिए तैयार है । इसके अलावा अभी जो आपने पचास हजार डोजेज की बात कही तो डेढ़ लाख डोजेज हमारे पास बिल्कुल तैयार है और 50-50 हजार के इस्टालमेंट में तीन लाख डोजेज और देने की व्यवस्था की गई है । हमारे पास सूचना आई है 14-15 मई को कि 20 तारीख को एक मीटिंग और 28 तारीख को दूसरी मीटिंग की । इसमें मुख्य प्रश्न तो वैक्सीन

**Expunged as ordered by the Chair.

का है ही लेकिन कुछ और जो आस पास की परिस्थितियां हैं उनको ठीक करने का है जैसे कूड़ा-कचरा उठाना और सफाई करना । माननीय सदस्य ध्यान मे रखें कि यह हुआ क्यो है इस बार ? मैंने गत वर्ष और उससे पहले साल की स्थिति को देखा तो नाम मात्र के लिए ही उस पीरियड मे पोलियो के रोग की सूचना मिली है । लेकिन यह वर्षा के बाद ही ज्यादा हुआ है दो तीन दफा । तो यह काफी कठिन परिस्थिति है और हम इस पर विचार कर रहे है ।

जहां तक बाहर से मंगाने की बात कही गई, एक बात तो मैं यह बताना चाहता हूं कि कूनूर का जो इंस्टीट्यूट है उसमें प्रोडक्शन शुरू हो गया है, वहां पर इस वैक्सीन की डेढ़ लाख डोसेज है और दो लाख और डोजेज इंस्टीट्यूट शार्ट नोटिस पर भेज सकता है । इसके अलावा हाफकिन इंस्टीट्यूट, बाम्बे भी यूगोस्लाविया से इम्पोर्ट करता है । इस तरह से मैं आपको आश्वासन दे सकता हूं कि दिल्ली में इसकी कोई कमी नही आयेगी । जो भी आवश्यकता होगी हम भेजते रहेंगे और जब से इस सम्बन्ध में सूचना मिली है तब से कोई कसर नही उठा रखी गई है ।

श्री अमर नाथ चावला (दिल्ली सदर) : अध्यक्ष जी, मै जानना चाहता हूं कि इस एपिडेमिक के फैलने से पहले यहां पर कितनी वैक्सीन मोहैया की जाती थी, कितने अस्पताल उसको देते थे और वह एपिडेमिक अगर यहां पर और फैलती है तो यह ओरल वैक्सीन जो देते हैं वह क्या इस बीमारी को पकड़ लेती हैं, उसका चेक हो जाता है या उसका कोई और इलाज होगा ?

श्री उमा शंकर दीक्षित : पूरा चेक तो नही होता है । इन्जेक्शन से कुछ अधिक चेक होता है । इस बीमारी की बिल्कुल शुरू की स्टेज अगर हो तो उस पर कन्ट्रोल हो सकता है लेकिन एडवांस्ड स्टेज में नहीं के बराबर ही कुछ हो पाता है ।

जहा तक इस बात का सवाल है कि पिछले वर्षों मे इसकी कितनी सप्लाई की गई उसके लिए सूचना की आवश्यकता होगी । इस समय तो आंकड़े उपलब्ध नहीं हैं ।

SHRI INDRAJIT GUPTA (Alipore) : As the hon. Minister has said, the most important thing that concerns this matter is the question of taking timely preventive measures. May I know whether it is a fact, as is widely rumoured, that the hospitals in Delhi do not keep with them regular stocks of anti-polio vaccine as a matter of course, and it is only after the outbreak of an epidemic like the present one that a search is made to get hold of vaccine from wherever it is available ? If that is so, whether any steps will be taken to see that in future, hospitals do carry with them at least a minimum stock of anti-polio vaccine which will be available whenever required ?

Secondly, there is nothing to ensure that the incidence of this epidemic will be confined within Delhi. These are things which can be carried and transmitted from place to place by various forms of infection. Therefore, I would like to know whether the Government is thinking of taking special steps to secure a larger stockpile of vaccines so that in case this epidemic reveals itself in any other part of the country, stocks can be rushed there in good time.

My last point is this. He has generally said that the incidence is found in slum areas or in unhygienic areas and so on. Have they made any assessment from the cases which have been repoted by the various hospitals in the localities from which the patients have been brought ? I ask this because in Delhi there are a number of hospitals of different types, for example, there are the railway hospitals ; there are the military hospitals ; there is the Corporation hospital ; there is the General Hospital. Then there are some institutions under the CGHS. Then, there is the indepen-

dent institution, namely, the All India Institute of Medical Sciences. So, from all these different types of hospitals and institutions, have they taken steps to see that proper tabulation and assessment is made of the sources from which all these patients have been brought, so that the areas concerned could be properly dealt with both from the preventive aspect and the curative aspect ?

SHRI UMA SHANKAR DIKSHIT : As far as the question of keeping large stocks or adequate stocks in hospitals is concerned, this vaccine does not keep long. If you keep it in large quantities, it deteriorates and becomes ineffective. But in the Kalavati Saran Hospital where this incidence has been seen, there was adequate vaccine. It is not as if when information is received we start rushing about and getting this. There has been a regular plan not only for import but for local production and for distribution. So far as import is concerned, some Bombay firms have been given recently some licences also, and two importers DeCruz Corporation, Bombay, and Chandramohan, Ltd., Bombay, have been importing. The DeCruz Corporation had advertised in the newspapers, particularly in South India, where there was a heavy demand for vaccines sometime ago, that the vaccine was available with them in adequate quantities.

About the class of persons or the areas from which these patients are drawn, I am afraid I am not able to say whether we will be able to immediately give this information. It will need research—

SHRI INDRAJIT GUPTA : I wanted to know whether there is any system for regularly assessing the areas from which the patients are coming, because they may not be always slum areas.

SHRI UMA SHANKAR DIKSHIT : The Haffekine Institute people have been invited precisely to carry out this survey, but whether it is done normally, I am not able to say.

MR. SPEAKER : Shri H. M. Patel.

SHRI H. M. PATEL (Dhandhuka) : I have no question to ask ; so long as his pertains only to Delhi, all relevant questions have been answered.

MR. SPEAKER . He is the first gentleman in my experience who has said that he is satisfied. (*Interruption*)

SHRI ATAL BIHARI VAJPAYEE : May I ask one question ? अध्यक्ष महोदय, सवाल यह है कि लडको को पहले ही टीका क्यो नही लगाया जाता है जब बीमार हो जाते हैं तब टीका लगाने की बात होती है ।

12.14 hrs.

RE : SITUATION IN WEST BENGAL

SHRI M. KALYANASUNDARAM (Tiruchirapalli) : Sir, I want to invite your attention to a very serious matter about the situation in West Bengal. There is a serious condition in respect of the refugee camps. The seriousness can be well understood from this fact. The Chief Minister of West Bengal is a very sober and reasonable gentleman. He has sent an SOS to the Government of India, threatening to resign, if proper help is not forthcoming quickly. The house expects the Prime Minister to make a statement immediately. May I know whether any responsible minister would make a statement on this ?

SHRI SAMAR MUKHERJEE : (Howrah) I support him. I have received a telegram from Mr. Mohammed Ismail, M. P. saying :

"Inhuman torture let loose by the Industrial Security Force on Durgapur workers.."

MR. SPEAKER : You should have given some notice about it.

SHRI SAMAR MUKHERJEE : Calling attention has been refused. Will you allow the calling attention ? An abnormal situation has developed there. There is stoppage of work and 55 men injured.

MR. SPEAKER : I can not assure him anything now. There should be proper notice.